Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P 2469

[Total No. of Pages : 3

[5302]Ext-11
M.A. (Part - I)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र 1 : सामान्य स्तर
प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य
(अमीर खुसरो, जायसी, सूरदास, बिहारी और भूषण)
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) खड़ी बोली हिंदी के विकास में अमीर खुसरो के काव्य का योगदान स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'पद्मावत' में चित्रित नागमती के विरह का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 2) 'भ्रमरगीत में सूरदास ने योग बनाम भक्ति का विवेचन किया हैं स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बिहारी की बहुज्ञता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) भूषणकालीन परिस्थितियों का विवेचन कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) अमीर खुसरो के काव्य में व्यक्त समाज

ख) पद्मावत की भाषा

ग) सूर के उद्धव

घ) बिहारी की भक्तिभावना

च) भूषण के काव्य में वीर तत्व

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) अमीर खुसरो के गीतों में व्यक्त संवेदनशीलता को स्पष्ट कीजिए ।

ख) पद्मावत में वर्णित प्रेम–भाव का विवेचन कीजिए ।

ग) भ्रमरगीत के प्रकृति – चित्रण को स्पष्ट कीजिए ।

घ) बिहारी की अलंकार–योजना पर प्रकाश डालिए ।

च) भूषण के काव्य में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) सेज पड़ी मेरे आँखों आया ।
डाल सेज मोहिं मजा दिखाया ।
किससे कहूँ मजा मैं अपना ।
ऐ सखी साजन ना सखी सपना ।

ख) चढ! असाढ गँगन घन गाजा । साजा बिरह दुंद दल बाजा ।
घूम स्याम धौरे घन धाए । सेत धुजा बगु पाँति देखाए ।
खरग बीज चमकै चहुँ ओरा । बुंद बान बरिसै घन घोरा ।
अद्रा लाग बीज भुइँ लेई । मोहि पिय बिनु को आदर देई ।
ओनै घटा आई चहूँ फेरी । कंत उबारू मदन हौं घेरी ।
दादुर मोर कोकिला पीऊ । करहिं बेझ घट रहै न जीऊ ।
पुख नछत्र सिर ऊपर आवा । हौं बिनु नाँह मँदिर को छावा ।

ग) आयो घोष बड़ो व्यापारी ।
लाद खेंप गुन ज्ञान जोग की ब्रज में आय उतारी ।
फाटक दै कर हाटक माँगत भोरै निपट सुधारी ।
धुर ही तें खोंटो खायों है लए फिरत सिर भारी ।
इनके कहे कौन उहकावै ऐसी कौन अजानी?
अपनो दूध छाँड़ि कौ पीवै खार कूप को पानी ।
ऊधो जाहु सबार यहाँ तै वेगि गहरू जनि सावौ ।
मुँहमाँग्यो पैहो सूरज प्रभु साहुहि आनि दिखावौ ।

घ) मेरी भव–बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ ।

जा तन की झाँई परैं स्थामु हरित–दुति होइ ।

च) राना भो चमेली और बेला सब राजा भये,

ठौर ठौर रस लेत निज यह काज है ।

सिगरे अमीर आनि कुंद होत घर घर,

भ्रमत भ्रमर जैसे फूल को समाज है ।

भूषण भनत सिवराज वीर तैही देस

देसन में राखी सब दच्छिन की लाज है ।

त्यागे सदा पटपद पद अनुमानि यह,

अलि नवरंगजेब चंपा सिवराज है ।।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P 2470

[Total No. of Pages : 2

[5302]Ext.-12
M.A. (Part - I) (External)
(HINDI) हिंदी
प्रश्नपत्र - 2 : विशेष स्तर : आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य
(उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंध)
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :- *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) 'कलि–कथा : वाया बाइपास' उपन्यास के केंद्रीय चरित्रों की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'कलि–कथा : वाया बाइपास' उपन्यास की मुल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) कहानी – कला की दृष्टि से 'पुरस्कार' का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

'सजा', मनहूसाबी' तथा 'वह मैं ही थी' कहानियों में चित्रित नारी समस्याओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) 'अभंग – गाथा' नाटक की मंचीयता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'अभंग–गाथा' नाटक का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निबंध के तत्वों की दृष्टि से 'ठूँठा आम' निबंध का विवेचन कीजिए।

अथवा

'संस्कृति है क्या?' निबंध में व्यक्त संस्कृति और सभ्यता का अंतर स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए –

क) आदमी में करूणा होनी चाहिए, लेकिन क्या करूणा का इस कदर इतना बढ़ जाना ठीक है कि वह खुद को ही खा जाए ? क्या आदमी पूरी तरह दूसरों के लिए जी सकता है और सच पूछा जाए तो क्या यह उचित है ?

अथवा

'अब दुनिया की कोई इच्छा, कोई आकांक्षा मुझे यहाँ से नहीं हटा सकती , क्यों कि यह मेरा प्यारा देश, मेरी प्यारी मातृभूमि है और मेरी लालसा है कि मैं अपने देश में मरूँ ।'

ख) 'निर्वासित कर दिया गया हूँ अपने गाँव से अपनी माटी से, अपनी जमीन से ।

उखडा पडा हूँ और बेघर हूँ । किसी ने जैसे एक तेज चाकू से मेरी जडों को निर्ममतापूर्वक काट दिया है ।'

अथवा

उत्साह में कष्ट या हानि सहने की दृढ़ता के साथ–साथ कर्म में प्रवृत्त होने के आनंद का योग रहता है । साहसपूर्ण आनंद की उमंग का नाम उत्साह है । कर्म – सौंदर्य के उपासक ही सच्चे उत्साही कहलाते हैं ।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P 2471

[Total No. of Pages : 2

[5302]Ext.-13
M.A. (Part - I) (For External)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र - 3 : विशेष स्तर
भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :- *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) रस निष्पत्ति संबंधी भट्टलोल्लट तथा शंकुक की व्याख्याओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

औचित्य सिद्धांत का परिचय देते हुए अन्य सिद्धांतों के संदर्भ में औचित्य का महत्व विशद कीजिए।

प्रश्न 2) ध्वनि और शब्द शक्तियों के संबंध पर प्रकाश डालिए।

अथवा

वक्रोक्ति की परिभाषा देते हुए आचार्य कुंतक की वक्रोक्ति संबंधी अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) संप्रेषण सिद्धांत की परिभाषा और स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी अवधारणा का परिचय दीजिए।

प्रश्न 4) उदात्त सिद्धांत के संदर्भ में लोंजाइनस का योगदान स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आलोचना की विभिन्न प्रणालियों का उल्लेख करते हुए मार्क्सवादी और मनोवैज्ञानिक आलोचना प्रणाली का महत्व स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) करूण रस का आस्वाद

ख) ध्वनि और स्फोट सिद्धांत

ग) प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत

घ) प्रतीकवाद ।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P 2472

[Total No. of Pages : 8

[5302]Ext-14
M.A. (Part - I)
(For External)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र - 4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
विशेष साहित्यकार अथवा विशेष विधा तथा अन्य

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित में से किसी एक पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए

अ) कबीर तथा तुलसीदास

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) हिंदी की निर्गुण काव्यधारा का विकास किस प्रकार हुआ है – विवेचन कीजिए।

अथवा

कबीर के प्रेम और विरह का आध्यात्मिक स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) संतकाव्य परंपरा का परिचय देते हुए कबीर का महत्व स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कबीर के धार्मिक विचारों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) तुलसी के राम को विस्तार से समझाइए।

अथवा

'रामचरितमानस' का चरित्र – चित्रण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) 'विनयपत्रिका' का वर्ण्य विषय स्पष्ट करते हुए उसके प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।

अथवा

''विनयपत्रिका' में भक्त हृदय के भावपूर्ण उद्‌गार मिलते हैं – विवेचन कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ – व्याख्या कीजिए ।

क) '' जाका गुरू भी अंधला चेला खरा निरंध ।

अंधा अंधा ठेलिया, दून्यँ कूप पड़त ।। ''

अथवा

''कबीर कुता राम का, मुतिया मेरा नाउं ।

गलै राम की जेवडी, जित खैचे तित जाऊँ ।।''

ख) ''जाके प्रिय न राम बैदेही ।

सो छाँड़िये कोटि बैरी सम, जद्यपि परम सनेही ।।

तज्यो पिता प्रह्लाद, विभीषण बंधु भरत महतारी ।

बलि गुरू तज्यो कंत ब्रज – बनितनि, भये मुद – मंगलकारी ।।

नाते नेह राम के मनियत सुहृद सुसेव्य जहाँ लौं

अंजन कहा आँखि जेहि फूटै, बहुतक कहौं कहाँ लौं

तुलसी सो सब भाँति परमहित पूज्य प्रान ते प्यारो ।

जासों होइ सनेह राम – पद, एतो मतो हमारो ।। ''

अथवा

'' मागी नाव न केवटु आना ।

कहइ तुम्हार मरमु मैं जाना ।।

चरन कमल रज कहुँ सबु कहई ।

मानुष करनि मूरि कछूअहई छुअत सिला भइ नारि सुहाई ।

पाहन ते न काठ कठिनाई ।।

तरनिउ मुनि घरिनी होइ जाई ।

बाट परइ मोरि नाव उड़ाई ।।

एहिं प्रतिपालउँ सबु परिवारू ।

नहिं जानउँ कछु अडर कबारू जौं प्रभु पार अवसि गा चहहू ।

मोहि पद पदुम पखारन कछु है ।।

Total No. of Questions : 5]

P 2472

[5302]Ext-14
M.A. (Part - I)
(For External)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र - 4 विशेष स्तर : वैकल्पिक
आ) हिंदी उपन्यास तथा हिंदी यात्रा साहित्य
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :- *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) औपन्यासिक तत्वों के आधार पर 'परिशिष्ट' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

प्रेमचंद युगीन हिंदी उपन्यासों के विकास पर प्रकाश डालते हुए, उसमें प्रेमचंदजी का योगदान विशद कीजिए।

प्रश्न 2) 'अलग अलग वैतरणी' उपन्यास की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

हिंदी के ऐतिहासिक उपन्यासों की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) प्रकृति चित्रण के आधार पर 'चीडों पर चाँदनी' यात्रा साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

यात्रा साहित्य का वर्गीकरण विस्तार से लिखिए।

प्रश्न 4) 'यात्रा का उद्देश्य है आनंद की प्राप्ति' – 'मेरी जीवन यात्रा के संदर्भ में कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिंदी यात्रा साहित्य का तात्विक विवेचन कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ – व्याख्या कीजिए ।

क) ''भगवान का यही आदेश मालूम होता है कि मैं तुम्हें दीक्षा दूँ, तुम्हे अपने साथ रखूँ और अपनी परीक्षा दूँ । नर्तकी, अभी मैंने जो कुछ कहा, उस पर ध्यान न देना । ''

अथवा

'' महाराज, घर में न गाय है न बछिया, न पैसा । यही पैसे है यही इनका गो–दान है ।''

ख) '' इन देशों में सर्प–पूजा के साथ सूर्य की उपासना भी प्रचलित थी । इसलिए यहाँ सूर्य मंदिरों का निर्माण किया गया था ।''

अथवा

'' मैं खुद अवतारी लामा हूँ, लेकिन उसे बिल्कुल धोखा समझता हूँ । दलाई लामा को छोड़ मैं किसी को अवतारी नही मानता । ''

Total No. of Questions : 5]

P 2472

[5302]-Ext-14
M.A. (Part - I)
(For External)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र - 4 : विशेषस्तर : वैकल्पिक
इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा तथा कवि रामधारी सिंह दिनकर
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है ।*

2) सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं ।

प्रश्न 1) हिंदी नाटक और रंगमंच का परिचय दीजिए ।

अथवा

सुरेंद्र वर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) 'रति का कंगना' नाटक के संवादों की विशेषताओं को लिखिए ।

अथवा

'सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक' नाटक की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 3) ''कवि दिनकर देश के राष्ट्रीय कवि है –'' स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

दिनकर के काव्य में युद्ध और शांति विषयक विचारों का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 4) 'हुकार' काव्य के अभिव्यक्ति – पक्ष प्रकाश डालिए ।

अथवा

'बापू' काव्य के काव्य – सौष्ठव का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) ''कुछ व्यक्ति ऐसे भी होते हैं, जिनके बाहरी रूप से मालूम नही पड़ता कि उनके अंदर कैसा रक्तपात है । सांसारिक धरातल पर वे सब कुछ उसी ढंग से करते हैं, जैसे एक औसत आदमी करता है लेकिन भीतर ही भीतर वे एक समानांतर जीवन जीते हैं ।

अथवा

'' कैसी बाते करते हो ! सूर्य की किरणों ने भी जिसका स्पर्श नही किया हो ! वही स्त्री हाथों में जयमाला लिए राज प्रांगण में उतरेगी । सहस्त्रों दृष्टियों का केंद्र बनी, और एक रात के लिए किसी पुरूष के साथ चली जाएगी, जिसे उसने कभी देखा नही, जिसके संबंध में वह कुछ नहीं जानती ।''

ख) पर तु इन सब से परे; देख

तुमको अंगार लजाते हैं,

मेरे उद्वेलित – ज्वलित गीत

सामने नही हो पाते हैं ।

लज्जित मेरे अंगार तिलक – माला भी यदि ले आऊँ मैं,

किस भाँति उठू इतना – अपर? मस्तक कैसे छू पाँऊ मैं?

अथवा

फेंकता हूँ , लो तोड़ – मरोड़,

अरी निष्ठुरे! बीन के तार;

उठा चाँदी का उज्जवल शंख,

फुँकता हूँ भैरव हुंकार ।

Total No. of Questions : 5]

P 2472

[5302]Ext-14
M.A. (Part - I)
(For External)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र 4 :
ई) प्रयोजनमूलक हिंदी तथा हिंदी दलित साहित्य
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :- *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) राजभाषा हिंदी का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य विशद कीजिए।

अथवा

साहित्यिक तथा कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ और महत्व समझाइए।

प्रश्न 2) हिंदी के वेब साईटस् और इंटरनेट पर हिंदी के भविष्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कार्यालयीन लेखन के रूप में प्रारूपण और पल्लवन का स्वरूप विशद कीजिए।

प्रश्न 3) विविध क्षेत्रों मे कम्प्यूटर का महत्व एवं योगदान पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी दलित साहित्य को प्रभावित करने वाले विचारकों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

प्रश्न 4) 'जस-तस भई सबेर' उपन्यास के आधार पर' दलित विमर्श' पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'जूठन' आत्मकथा में समाजिक संघर्ष अभिव्यक्त हूआ हैं , स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) ''परिस्थितियों से घबराना और समाज से भागना कायरता है । '' वैसे भी यह समस्या मात्र व्यक्तिपरक नहीं है । यह सामाजिक समस्या है । ''

अथवा

''दिन – रात मर – खपकर भी हमारे पसीने की कीमत मात्र जूठन, फिर भी किसी को कोई शिकायत नहीं ।'' कोई शर्मिन्दगी नहीं, कोई पश्चात्ताप नहीं।

ख) ''समाज का पवित्र व्यक्ति ऊपर से पवित्र है । उसेमें झाँककर देखो तो गन्दे नाले बजबज कर रहे हैं । बड़ा समाज ऊपर से बड़ा दीखता है । उनके अन्दर जो हीनता, नीचता भरी पड़ी है, वह अनुमान से बाहर है ।''

अथवा

'' इनके चौबारों में जले हैं

मेरे आसूओं के दीप

इनके शयनकक्षों में बिखरे हैं

मेरी बहनों और बेटियों की

रौंदी गयी आस्मिता के निशान । ''

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P 2473

[Total No. of Pages : 2

[5302]-Ext.-15
M.A. (Part - II) (External)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र 5 : सामान्य स्तर – आधुनिक काव्य
(महाकाव्य, खंडकाव्य, विशेष कवि और नई कविता)

पाठयपुस्तकें :– 1) कामायनी – जयशंकर प्रसाद

2) गोवा गौतम – जगदीश गुप्त

3) विशेष कवि कुँवर नारायण – संपा. डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. नीला बोर्वणकर

4) नई कविता – संपा. डॉ सुरेश बाबर, डॉ. अलका पोतदार

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ : *1)* सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) '' 'कामायनी' की कथा में इतिहास और कल्पना का योग्य समन्वय हुआ है '' – स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'कामायनी' के आधार पर इड़ा का चरित्र – चित्रण कीजिए ।

प्रश्न 2) 'गोवा गौतम' खंडकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'गोवा गौतम' के शिल्प–विधान पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3) कुँवर नारायण के काव्य की भाषा का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

अथवा

'' कवि कुँवर नारायण की कविता आधुनिक बोध से समृद्ध है '' स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 4) उदय प्रकाश के काव्य की भावगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

लीलाधर जगूड़ी के काव्य के शैली पक्ष का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 5) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''एक तुम, यह विस्तृत भुखंड प्रकृति वैभव से भरा अमंद ।
कर्म का भोग, भोग का कर्म यही जड़ का चेतन आनंद ।
अकेले तुम कैसे असहाय यजन कर सकते ? तुच्छ विचार ।
तपस्वी ! आकर्षण से हीन कर सके नहीं आत्म विस्तार ।

अथवा

मूर्तिमान निर्वाण,
प्राण थे यशोधरा के।
गौतम के पद चिह्न
रत्न थे वसुंधरा के।

ख) मैं बलिदान इस संघर्ष में
कटु व्यंग हूँ उस तर्क पर
जो जिंदगी के नाम पर हारा गया,
आहूत हर युद्धाग्नि में
वह जीव हूँ निष्पाप
जिसको पुज कर मारा गया,
वह शीश जिसका रक्त सदियों तक बहा,
वह दर्द जिसको बेगुनाहों ने सहा ।

अथवा

बहुत चुने हुए लोगों से
बहुत चुने हुए विषयों पर
बहुत चुनिंदा बातें करते है विद्वान लोग ।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P 2474

[Total No. of Pages : 2

[5302]-Ext.-16
M.A. (Part - II) (External)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र 6 : विशेष स्तर
भाषाविज्ञान तथा हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ : *1)* सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) भाषा विज्ञान की शाखाओं का उल्लेख करते हुए कोश विज्ञान, लिपि विज्ञान और समाज भाषा विज्ञान का महत्व विशद कीजिए ।

अथवा

भाषा की कोई एक परिभाषा देकर भाषा के अभिलक्षण स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) रचना, क्रिया और अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद लिखिए ।

अथवा

अर्थ की परिभाषा देकर अर्थ परिवर्तन के कारणों का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

प्रश्न 3) मध्यकालीन प्राकृत भाषाओं का सामान्य परिचय दीजिए ।

अथवा

वैदिक संस्कृत और लौकिक संस्कृत का सामान्य परिचय दीजिए ।

प्रश्न 4) खरोष्ठी और ब्राह्मी लिपियों का परिचय लिखिए ।

अथवा

राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) भाषा विज्ञान और साहित्य

ख) अर्थ संकोच

ग) हिंदी प्रसार के आंदोलन में संस्थाओं का योगदान

घ) हिंदी शब्द निर्माण और समास ।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P 2475

[Total No. of Pages : 2

[5302]-Ext.-17
M.A. (Part - II) (External)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र - 7 (बहिस्थ) : विशेषस्तर
हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतीकाल तथा आधुनिक काल तक)
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ : *1)* सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) हिंदी साहित्य के इतिहास दर्शन को विशद कीजिए ।

अथवा

आदिकालीन राजनीतिक, धार्मिक, और सामाजिक परिस्थितियों की चर्चा करते हूए तत्कालीन साहित्य पर उनके प्रभावों को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) हिंदी सूफी काव्य की प्रवृत्तियाँ स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

नीतिकाव्य परंपरा को स्पष्ट करते हुए उसमें रहीम का योगदान समझाइए ।

प्रश्न 3) रीतिबध्द काव्य की विषयगत और शैलीगत विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

रीतिकालीन साहित्य पर संस्कृत तथा भक्तिकालीन हिंदी साहित्य के प्रभाव पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 4) हिंदी उपन्यास साहित्य के उद्‌भव और विकास का परिचय दीजिए ।

अथवा

छायावादी काव्यधारा की सामान्य प्रवृत्तियाँ विशद कीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित मे से किन्ही दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

अ) कवि विद्यापति का साहित्यिक परिचय

ब) समाज सुधारक कबीर

क) रीतिमुक्त कवि घनानंद

ड) कहानीकार प्रेमचंद

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P 2476

[Total No. of Pages : 6

[5302]-Ext-18
M.A. (Part - II) (External)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र 8 : वैकल्पिक (बहिस्थ)
अ) आधुनिक हिंदी आलोचना तथा अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) हिंदी आलोचना में नामवर सिंह के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

आलोचना के उद्देश्य लिखते हुए आलोचक के गूणों का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 2) समकालीन आलोचना की अवधारणाएँ स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

आलोचना का स्वरूप स्पष्ट करते हुए आलोचना की प्रक्रिया विशद कीजिए ।

प्रश्न 3) अनुसंधान और आलोचना का पारस्परिक संबंध स्पष्ट करते हुए उसके साम्य–वैषम्य पर प्रकाश डालिए

अथवा

''अनुसंधान और आलोचना दोनों साहित्यान्वेषण की दो विधियाँ हैं।'' विशद कीजिए।

प्रश्न 4) अनुसंधान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

अनुसंधान के प्रकार विशद कीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) डॉ रामविलास शर्मा की आलोचना पद्धति

ख) आलोचना और सर्जनशील साहित्य

ग) पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत

घ) शोध–प्रबंध की रूपरेखा ।

Total No. of Questions : 5]

P 2476

[5302]-Ext-18
M.A. (Part-II) (External)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र 8 : विशेष स्तर–: वैकल्पिक (बहिस्थ)
आ) अनुवाद विज्ञान तथा जनसंचार माध्यम और हिंदी
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) अनुवाद के प्रकारों का विवेचन कीजिए ।

अथवा

अनुवाद का महत्व स्पष्ट करते हुए उसकी व्याप्ति निर्धारित कीजिए ।

प्रश्न 2) प्रक्रिया और विधा के आधार पर अनुवाद के प्रकार स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

अनुवाद का रूपविज्ञान और वाक्यविज्ञान से सहसंबंध स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3) भारतीय संचार तकनीकी के विकासमूलकता पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

जनसंचार माध्यमों में हिंदी साहित्य की आवश्यकता समझाइए ।

प्रश्न 4) जनसंचार माध्यम के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए सूचना–प्रौद्योगिकी के विविध रूपों का परिचय दीजिए ।

अथवा

समाचार पत्रों के विविध स्तंभो का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) कम्प्यूटर अनुवाद की आवश्यकता ।

ख) छायानुवाद ।

ग) हिंदी नवजागरण और सरस्वती पत्रिका ।

घ) हिंदी की महिला पत्रिकाएँ एवं महिला स्तंभ ।

Total No. of Questions : 5]

P 2476

[5302]-Ext-18
M.A. (Part II) (External)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र 8 : विशेष स्तर : वैकल्पिक (बहिस्थ)
इ) लोकसाहित्य तथा भारतीय साहित्य
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य के साम्य-भेदों पर विस्तार से चर्चा कीजिए ।

अथवा

लोकसाहित्य का इतिहास तथा पुरातत्व से परस्पर संबंध स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) लोकगीतों की विशेषताएँ लिखते हुए उसके प्रेरणास्रोत स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

लोकगाथा की परिभाषा लिखते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3) भारतीय साहित्य को केंद्र में रखकर 'भारतीयता' की अवधारणा स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'बारोमास' उपन्यास की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 4) 'नागमंडल' नाटक की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

'खानाबदोश' आत्मकथा के पात्रों का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) सोहर और मुंडन के लोकगीत

ख) लैला – मजनूँ

ग) 'बारोमास' का शीर्षक

घ) 'नागमंडल' की भाषा ।